सनातन धर्म इस संसार का प्राचीन धर्म स्तम्भ है, इसकी शाखाएं मानवता के लिए कल्याणकारी हैं।

तेवर वही, अंदाज नया ......!

साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

डाक रजिस्ट्रेशन नं. मालवा डिवीजन-
L2/65/RNP/397/2024-2026

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 31 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 30-04-2024 से 06-05-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

कांग्रेस 'वसूली गैंग' चलाती है-मोदी

बागलकोट (कर्नाटक)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां एक रैली में कांग्रेस के प्रमुख नेता राहुल गांधी पर परोक्ष हमला बोला और पार्टी पर 'वसूली गिरोह चलाने का आरोप लगाया। श्री मोदी ने एक चुनावी सभा को संबोधित करने के दौरान परोक्ष रूप से श्री गांधी की हालिया अवकाश गतिविधियों का संदर्भ देते हुए कहा कि जो लोग छुट्टियां लेते रहते हैं, वे भारत की प्रगति में योगदान नहीं दे सकते। उन्होंने 2047 तक भारत को बदलने की अपनी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए विकासात्मक पहलों को चलाने में समर्पण और दूरदर्शिता के महत्व पर जोर दिया है।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर कर्नाटक में सरकार की बजाय 'वसूली गिरोह' चलाने का आरोप लगाया और कहा कि उनके शासन में कर्नाटक एक प्रसिद्ध तकनीकी केंद्र से टैंकर हब में बदल गया है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस कर्नाटक में सरकार नहीं बल्कि 'वसूली गैंग' चला रही है। कर्नाटक, जो एक तकनीकी केंद्र के रूप में जाना जाता है और जिसने दुनिया में अपना नाम बनाया है, कांग्रेस ने इसे 'टैंकर हब' बना दिया है। कांग्रेस के नेतृत्व में राज्य की प्रतिष्ठा और शासन में कथित गिरावट देखने को मिल रही है।

कर्नाटक के शासन पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए श्री मोदी ने अपने राजनीतिक हितों के लिए राज्य को 'एटीएम' के रूप में मानने के लिए कांग्रेस की आलोचना की।

श्री मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिए सात मई को राज्य के शेष 14 निर्वाचन क्षेत्रों में होने वाले मतदान से पहले रैली को संबोधित करते हुए कहा, जो लोग (राहुल गांधी सहित) फुर्सत और छुट्टियों का आनंद ले रहे हैं, वे भारत का विकास नहीं कर सकते। देश के लिए काम करने के लिए एक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। एक दृष्टिकोण के लिए व्यक्ति के पास समर्पण की आवश्यकता होती है। जब कुछ भी मौजूद नहीं होता है, तो परिणाम शून्य होता है। वहीं मोदी के मामले में दृष्टिकोण और आदर्श वाक्य, दोनों स्पष्ट हैं। मोदी 2047 के लिए चौबीसों घंटे काम करते हैं।

कांग्रेस का हाथ छोड़ बंटी कैलोदिया ने थामा भाजपा का कमल

उज्जैन। भाजपा की रीति नीति से प्रभावित होकर यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बंटी कैलोदिया ने भी कांग्रेस का हाथ छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया।

छात्र जीवन से ही कांग्रेस की सेवा में रहे बंटी कैलोदिया को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भाजपा का दुपट्टा ओढ़ाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। बंटी कैलादिया वर्तमान में भी कांग्रेस में कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यों से प्रभावित होकर कांग्रेस छोड़कर बंटी कैलोदिया भाजपा नगर अध्यक्ष विवेक जोशी, विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा, आनंद खींची, उमेश सेंगर, अजय शंकर तिवारी, सुनील गोठवाल, एमआईसी सदस्य जितेंद्र कवाल, पुरुषोत्तम मालवीय, अजय ठाकुर, धर्मेंद्र खटीक, तूफान, कालू यादव, कमल लोहार आदि भाजपा सदस्यों की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए। इस दौरान सभी ने उन्हें शुभकामनाएं दी।

कांग्रेस की फिर किरकिरी, अक्षय कांति बम ने नामांकन वापस ले लिया

इंदौर। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एक बार फिर किरकिरी का सामना करना पड़ा है। इंदौर सीट से पार्टी के प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने नामांकन वापस ले लिया है।

नामांकन की समय सीमा समाप्त हो जाने की वजह से अब इस सीट पर कांग्रेस की उम्मीदवारी खत्म हो गई है। अक्षय कांग्रेस को झटका देने के बाद भाजपा में शामिल हो गए हैं।

बम मौजूदा भाजपा विधायक रमेश मंडोला के साथ डीसी दफ्तर पहुंचे और अपना नामांकन वापस ले लिया। बम का यह फैसला कांग्रेस के लिए बेहद चौंकाने वाला है। खबर लिखे जाने तक पार्टी की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने कहा कि इंदौर से कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने अपना नामांकन वापस ले लिया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अक्षय के साथ एक सेल्फी सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उनका भाजपा में स्वागत किया। विजयवर्गीय ने लिखा, इंदौर से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी अक्षय कांति बम जी का माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी, मुख्यमंत्री मोहन यादव जी और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा जी के नेतृत्व में भाजपा में स्वागत है।

इस सेल्फी में विजयवर्गीय और अक्षय बम एक वाहन में एक साथ सवार दिख रहे हैं।

अक्षय कांति से पहले सूरत में भी कांग्रेस के प्रत्याशी का नामांकन रद्द हो गया था।

वहां बाद में अन्य 8 प्रत्याशियों की ओर से अपना नाम वापस ले लिए जाने के बाद भाजपा उम्मीदवार

निर्विरोध जीत गए। 24 अप्रैल को ही मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अक्षय कांति बम के नामांकन के दिन रैली की थी।

सम्पादकीय

दलबदलुओं का आना-जाना

राजनीतिक दलों में लोकतांत्रिक वातावरण होना अच्छी बात मानी जाती है, ताकि किसी भी सदस्य को अगर किसी बात पर एतराज हो तो वह उसे जाहिर कर सके। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि कोई पार्टी अपने भीतर अनुशासन बनाना ही बंद कर दे। चलते चुनाव के बीच जिस तरह कांग्रेस के नेता बगावत करते और दूसरे दलों का दामन थामते देखे जा रहे हैं, उसे कांग्रेस बेशक पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र बता कर खुद अपनी पीठ थपथपाने की कोशिश करे, पर हकीकत यही है कि इससे उसमें अनुशासन की कमी जाहिर होती है।

कुछ दिनों पहले गुजरात में सूरत सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार ने जानबूझ कर अपना पर्चा भरने में गड़बड़ी की, जिसके चलते उसका पर्चा निरस्त हो गया और भाजपा का प्रत्याशी निर्विरोध चुन लिया गया। अब इंदौर सीट से उम्मीदवार ने नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। एक दिन पहले दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से अरविंदर सिंह लवली ने यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि चुनाव प्रभारी उनकी बात नहीं सुनते। लवली ने पार्टी नेतृत्व पर भी कई आरोप लगाए हैं। हालांकि इन तीनों मामलों में भाजपा के दबाव और सांठगांठ की बातें भी की जा रही हैं, मगर इससे कांग्रेस की अनुशासनात्मक ढिलाई और अपने नेताओं को संभाल कर रख पाने में नाकामी छिप नहीं जाती।

पिछले कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में नेता कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हो गए। उनमें कई वरिष्ठ नेता भी थे। यह ठीक है कि कई नेताओं को जब कांग्रेस में अपना भविष्य नजर नहीं आया, तो उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। कुछ के बारे में कहा जाता है कि वे अपने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई से बचने के लिए सत्तापक्ष की तरफ चले गए। मगर इससे कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल तो उठते ही हैं कि वह क्यों अपने नेताओं को संतुष्ट नहीं रख सकी। ऐसा क्या हुआ कि उसके जो नेता कल तक सिद्धांतों की दुहाई देते न थकते थे, वे अचानक विद्रोही और अवसरवादी नजर आने लगे। उनका असंतोष अचानक फूट पड़ा और वे कांग्रेस के खिलाफ विष-वमन करने लगे। किसी भी पार्टी को ताकत इस बात से मिलती है कि उसके नेता और कार्यकर्ता कितने प्रतिबद्ध हैं।

उन्हें कोई जिम्मेदारी मिलती है या नहीं मिलती, उन्हें चुनाव का टिकट मिलता है या नहीं मिलता, वे चुप रह कर पार्टी नेतृत्व का फैसला स्वीकार कर लेते और अपने प्रत्याशी को जिताने के लिए निष्ठा और एकजुटता का परिचय देते हैं। भाजपा इसीलिए इस वक्त सबसे ताकतवर पार्टी है कि उसका नेतृत्व अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपने साथ जोड़ कर रखने में कामयाब है।

चुनाव जीतने के लिए हर राजनीतिक दल अपने पैंतरे आजमाता ही है। जैसे कि आरोप लग रहे हैं, अगर भाजपा कांग्रेसी नेताओं को अपने पाले में खींचने में कामयाब हो रही है, तो इसे चुनावी गणित के हिसाब से गलत नहीं कहा जा सकता। असल सवाल है कि कांग्रेस ने अपने नेताओं को इस तरह अनुशासित क्यों नहीं रखा या उनमें ऐसा भरोसा क्यों नहीं भर सकी कि वे दूसरे किसी दल के प्रलोभन या दबाव में आ ही न पाएं। बीच चुनाव में इस तरह पार्टी का साथ छोड़ कर बड़े नेताओं, यहां तक कि उम्मीदवारों के दूसरे दल में शामिल होने से न केवल पार्टी की आंतरिक कमजोरी जाहिर होती, बल्कि उसकी रणनीति भी विफल होती है।

बीजेपी नेता पर चाकुओं से हमला, सड़क पर तड़पता छोड़ हुए फरार

जबलपुर। जबलपुर में भाजपा नेता मंगन सिद्दीकी पर जानलेवा हमला हुआ है। 3 लोगों ने उनपर चाकुओं से हमला किया है। हमले में भाजपा नेता सिद्धीकी के गले में गहरी चोटें आई हैं। सिद्धकी भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल अध्यक्ष भी रह चुके हैं। बताया जा रहा है कि नशे के कारोबारियों के खिलाफ बीजेपी नेता मुहिम चला रहे थे और नशीले इंजेक्शन के खिलाफ कई बार पुलिस को ज्ञापन दे चुके थे। आरोपी भी नशे के कारोबार से जुड़ा है। हमले के बाद उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल विक्टोरिया में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। घायल के बयानों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लिया है।

हमला जबलपुर अधारताल थाना इलाके के कृषि विश्वविद्यालय गेट पर हुआ। सिद्दीकी पर चाकुओं से 3 लोगो ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में चाकू उनके गले के आर-पार हो गया। सिद्दीकी को जिला अस्पताल लाया गया, जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में भाजपा नेता मौके पर पहुंच गए। उन्होंने पुलिस से आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। पूर्व मंडल अध्यक्ष जीएस ठाकुर का कहना है कि उनकी हत्या करने का जिस तरह से प्रयास किया गया है वह संगीन अपराध है। मिली जानकारी के अनुसार पूर्व मंडल अध्यक्ष मगन सिद्दीकी रात करीब 8.30 बजे के करीब अधारताल चौराहे से अपने घर पैदल जा रहे थे। इस दौरान 3 लोग बाइक से उनके पास पहुंचे और विवाद करने लगे। 3 युवकों में से एक वसीम है, जो आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ मगन सिद्दीकी ने पुलिस में शिकायत भी की थी। इसी शिकायत का बदला लेने के लिए वसीम ने उनको चाकू मारा है। चाकू भाजपा नेता के गले के आर-पार हो गया। भाजपा नेता मगन चाकू लगते ही सड़क किनारे गिर गए। उनको तड़पता छोड़ आरोपी मौके से फरार हो गए। मगन को स्थानीय लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की जानकारी लगते ही भाजपा के कई नेता और कार्यकर्ता अस्पताल पहुचे इर आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। इस दौरान पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष जीएस ठाकुर का कहना है कि मंगल सिद्दीकी न सिर्फ पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं, बल्कि मंडल अध्यक्ष सहित कई पद पर रह चुके हैं। उन्हीने कहा कि मगन पर हमला करने वाले लोग उन्हें डरा रहे थे। मगन ने नशे के कारोबार के खिलाफ मुहिम चला रखी थी इसलिए इस कारोबार से जुड़े कई लोग उन्हें धमकी देकर डराते रहते थे। इसी वजह से आरोपी वसीम ने अपने साथियों के साथ मिलकर उन पर हमला किया है।

अधारताल थाना प्रभारी विजय विश्वकर्मा वारदात के बाद मौके पर पहुंचे और मंगल सिद्दीकी के बयान दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। देर रात पुलिस ने वसीम अंसारी, वसीम अली और मोनू अंसारी को गिरफ्तार किया है। मामले में तीनों के खिलाफ धारा 307 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि वसीम अंसारी के खिलाफ नशे का सामान बेचने सहित कई अन्य मामले भी शहर के अलग-अलग थाने में दर्ज हैं।

खरगोन कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल

भोपाल। खरगोन जिले के कई कांग्रेस नेता भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। भाजपा के वरिष्ठ नेता व न्यू ज्वॉइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने इन नेताओं को यहां स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी की सदस्यता दिलाई। पार्टी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार खरगोन के भीकनगाँव झिरनिया विधानसभा के पूर्व कांग्रेस लोकसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह पटेल, खरगौन युवक कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह तोमर समेत जिले की भीकनगांव विधानसभा के कई नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ले ली।

सभी अच्छे लोगों ने कांग्रेस छोड़ दी है-शिवराज सिंह चौहान

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और विदिशा से भाजपा उम्मीदवार शिवराज सिंह चौहान ने अरविंदर सिंह लवली के दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने पर कांग्रेस पार्टी की आलोचना की है। शिवराज ने कहा कि पार्टी ने दिशा और दृष्टि दोनों खो दी है।

चौहान ने ग्वालियर में एक जनसभा के बाद संवाददाताओं से बात करते कहा, कांग्रेस में अब न तो कोई दिशा बची है और न ही कोई दृष्टि। वे गलत निर्णय ले रहे हैं जो अंततः उन्हें विनाश की ओर ले जाएंगे। यही कारण है कि सभी अच्छे लोगों ने कांग्रेस छोड़ दी है...। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने 28 अप्रैल को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। लवली को अगस्त 2023 में ही इस पद पर नियुक्त किया गया था।

लवली ने अपने इस्तीफे में लिखा, दिल्ली कांग्रेस उस पार्टी के साथ गठबंधन के खिलाफ थी जो कांग्रेस पार्टी के खिलाफ झूठे, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के आधार पर बनी थी। इसके बावजूद, पार्टी ने दिल्ली में ्र्क के साथ गठबंधन करने का फैसला किया।

कांग्रेस नेता ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे अपने पत्र में कहा कि दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा लिए गए सभी सर्वसम्मत निर्णयों को एआईसीसी महासचिव (दिल्ली प्रभारी) ने एकतरफा वीटो कर दिया है।

डीपीसीसी अध्यक्ष के रूप में मेरी नियुक्ति के बाद से, एआईसीसी महासचिव (दिल्ली प्रभारी) ने मुझे डीपीसीसी में कोई भी वरिष्ठ नियुक्ति करने की अनुमति नहीं दी है। डीपीसीसी के मीडिया प्रमुख के रूप में एक अनुभवी नेता की नियुक्ति के मेरे अनुरोध को स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया गया था। आज तक, एआईसीसी महासचिव (दिल्ली प्रभारी) ने डीपीसीसी को दिल्ली में सभी ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति करने की अनुमति नहीं दी है, जिसके परिणामस्वरूप दिल्ली में 150 से अधिक ब्लॉकों में वर्तमान में कोई ब्लॉक अध्यक्ष नहीं है। चौहान ने कहा कि मैं ग्वालियर में था और 2 मई को फिर से दौरा करूंगा। आज, मैंने ग्वालियर और मुरैना का दौरा किया, हर जगह मोदी लहर है। भाजपा के लिए समर्थन सिर्फ एक लहर नहीं है, यह एक तूफान है। मध्य प्रदेश में, भाजपा सभी 29 सीटें जीतेगी। मध्य प्रदेश में ग्वालियर और मुरैना लोकसभा सीटों पर तीसरे चरण में 7 मई को चुनाव होंगे। वोटों की गिनती 4 जून को होगी। मध्य प्रदेश में लोकसभा की कुल 29 सीटें हैं, जो इसे संसदीय प्रतिनिधित्व के मामले में छठा सबसे बड़ा राज्य बनाता है। इनमें से 10 सीटें एससी और एसटी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं, जबकि बाकी 19 सीटें अनारक्षित हैं।

मामा अभी जिंदा है......

ग्वालियर। लोकसभा चुनाव का प्रचार-प्रसार जोरों पर चल रहा है। ऐसे में नेता अपनी विरोधी पार्टी और उसके नेताओं को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी ग्वालियर की एक जनसभा में कांग्रेस पर तंज कसा है। इस दौरान उन्होंने लोगों से सवाल करते हुए कांग्रेस पर तंज कसा और कहा, क्या हम कांग्रेस से कुछ अच्छे की उम्मीद कर सकते हैं?। सीएम शिवराज के इस सवाल पर जनसभा में बैठी जनता ने भी हामी भरी। इस दौरान उन्होंने 2023 के एमपी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार पर भी तंज कसा। आइये जानते हैं उन्होंने क्या-क्या कहा है। पूर्व सीएम शिवराज सिंह ने पिछले साल के आखिर में हुए एमपी विधानसभा चुनावों के परिणाम को लेकर भी कांग्रेस पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के दौरान लगातार कहा जा रहा था कि

कांग्रेस की सरकार आएगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे (क्छ्क) भी कुछ लोग घबरा गए थे। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर तंज कसते हुए कहा, कई-कई लोग तो सूट भी सिलवा लिए थे कि मंत्रिमंडल मिल रहा है। लेकिन उन्हें पता नहीं था कि मामा अभी जिंदा है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि यह कांग्रेस किसी का भला नहीं कर सकती है।

बीते साल के आखिर में हुए मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने प्रचंड जीत दर्ज की थी। इन चुनावों में भाजपा ने प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों में 163 सीटों पर जीत दर्ज करते हुए सरकार बनाई थी। चुनावों के परिणाम के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर कई दिन मंथन चला था। कई दिनों के बाद भाजपा ने विधायक डॉ. मोहन यादव के नाम पर मुहर लगा दी थी। इसके बाद ऐसा कहा जाने लगा है कि भाजपा प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को केंद्र सरकार में बड़ी जिम्मेदारी देने की तैयारी कर चुकी है। इसलिए उन्हें प्रदेश की विदिशा लोकसभा सीट से टिकट भी दिया गया है।

12वीं में 85 विद्यार्थियों में से एक भी नहीं हो सका पास

बड़वानी। एक ओर जहां जहां प्राइवेट स्कूलों में सौ प्रतिशत रिजल्ट देने की होड़ लगी रहती है, वहीं एक सरकारी स्कूल ऐसा भी है जहां 12वीं की परीक्षा में शामिल रहे 85 विद्यार्थियों में से कोई भी पास नहीं हो सका। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के खेतिया के सरकारी स्कूल में माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12वीं के 85 बच्चों ने परीक्षा तो दी, लेकिन इनमें से कोई भी पास नहीं हो पाया। जानकारी के अनुसार स्कूल की कक्षा नौवीं और ग्यारहवीं का भी रिजल्ट इसी तरह का रहा। हालांकि स्कूल के प्रभारी प्राचार्य इसको लेकर मूल्यांकन में हुई गड़बड़ी की बात कह रहे हैं। यूं तो सरकारी विद्यालय के शिक्षकों पर अक्सर पढ़ाई नहीं कराने के आरोप समय-समय पर लगते रहते हैं, लेकिन बड़वानी जिले के खेतिया ब्लॉक के समीप स्थित ग्राम मल्फा का एक शासकीय विद्यालय ऐसा है जहां कक्षा 12वीं के कुल 89 में से 85 विद्यार्थियों ने पास ही के ग्राम टेमला स्थित परीक्षा केंद्र पर जाकर परीक्षा तो दी, लेकिन इनमें से कोई भी विद्यार्थी उत्तीर्ण ही नहीं हो सका। अब इसके चलते यहां इन सभी विद्यार्थियों के पालक और ग्रामीण आक्रोशित हैं व अनियमतता की शिकायत करते हुए स्कूल के सारे स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। हालांकि स्कूल के प्रभारी प्राचार्य इसको लेकर मूल्यांकन में हुई गड़बड़ी की बात कह रहे हैं। परीक्षा परिणाम को लेकर आक्रोशित पालकों का कहना है कि विद्यालय में पढ़ाई होती ही नही है। उन्होंने स्कूल के शिक्षकों सहित प्रिंसिपल पर कई तरह के आरोप लगाते हुए पढ़ाई को लेकर जिम्मेदार नहीं होने की बात भी कही है। वहीं, स्कूल के प्रभारी प्राचार्य ने जीरो रिजल्ट की बात को मानते हुए कहा कि हम इस बात की समीक्षा कर रहे हैं कि आखिर ऐसा क्यों हुआ। हालांकि उन्होंने कहा कि अभी उन्हें ऐसा कोई कारण नहीं दिख रहा है, जिसके चलते रिजल्ट जीरो आया है। उन्होंने कहा कि वे खुद एक-एक बच्चे से मिल रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि यह मूल्यांकन की गलती है। क्योंकि इनमें से कई बच्चे पहले 75 प्रतिशत से अधिक अंक ला चुके हैं और अब उनका रिजल्ट जीरो आया है, जो कि उन्हें भी समझ नहीं आ रहा है कि ऐसी स्थिति क्यों बनी है।

मध्य प्रदेश में बागी उम्मीदवार बिगाड़ सकते है गणित

इस बार लोकसभा चुनाव में चंबल और भिंड की सीटों पर बागियों ने भाजपा और कांग्रेस का चुनावी गणित बिगाड़ दिया है। ग्वालियर चंबल अंचल की चार सीटों में से तीन सीटें ऐसी हैं जिन पर बागियों के मैदान में आने से त्रिकोणीय मुकाबला हो गया है। इनमें भिंड, मुरैना, ग्वालियर सीटों पर पहले बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला था लेकिन कांग्रेस के बागी प्रत्याशियों ने अपनी ही पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी है। ऐसी हालत विंध्य सतना और सीधी लोकसभा सीट पर भी देखने को मिल रहा है।

ग्वालियर चंबल अंचल के चुनावी दंगल में पिछले एक हफ्ते में समीकरण तेजी से बदल गया है। कांग्रेस पार्टी में जो कार्यकर्ता अपने लिए टिकट मांग रहे थे, उन्होंने पार्टी छोड़कर बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर मैदान में ताल ठोक दी है। चंबल की मुरैना लोकसभा सीट पर रमेश गर्ग को कांग्रेस ने टिकट नहीं दिया तो वह पार्टी छोड़कर बसपा में चले गए और अब बसपा की टिकट पर उम्मीदवार है। वहीं भिंड लोकसभा सीट पर भी टिकट न मिले के कारण कांग्रेस का साथ छोड़कर देवाशीष जरारिया बसपा से टिकट लाकर ताल ठोक रहे हैं। इसके साथ ही ग्वालियर लोकसभा सीट से कांग्रेस से जुड़े एक प्रॉपर्टी कारोबारी कल्याण सिंह गुर्जर अचानक बसपा की टिकट पर मैदान में कूद गए हैं और चंबल की इन तीनों सीटों पर जबरदस्त त्रिकोणीय मुकाबला नजर आ रहा है। इसके अलावा बिना की सतना लोकसभा सीट पर भाजपा के पूर्व विधायक नारायण सिंह त्रिपाठी बसपा की टिकट पर मैदान में हैं और सीधी सीट पर पूर्व भाजपा सांसद अजय प्रताप सिंह पार्टी छोड़कर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं जो ठाकुर और आदिवासी वर्ग के वोटो में सेंध लगाकर कांग्रेस और भाजपा दोनों की ही समीकरण को प्रभावित कर रहे हैं।

भिंड दतिया लोकसभा- 2019 में लोकसभा चुनाव लड़ चुके कांग्रेस के देवाशीष जरिया को टिकट नहीं मिला तो वे बीएसपी से चुनाव मैदान में कूद गए।अनुसूचित जाति के मतदाताओं के वोट तीन भागों में बट जाने से चुनाव में स्वर्ण वाटर किंग मेकर की भूमिका में है।

मुरैना श्योपुर लोकसभा सीट- भाजपा ने नरेंद्र सिंह तोमर की समर्थक पूर्व विधायक शिवमंगल सिंह तोमर को उतारा है कांग्रेस ने सुमावली से भाजपा के पूर्व विधायक रहे सत्यपाल सिंह सिकरवार को टिकट दिया है। दोनों प्रत्याशी क्षत्रिय समाज से आते हैं। कांग्रेस की टिकट की दौड़ में शामिल रहिए रमेश गर्ग ने बगावती रूप अपनाते हुए बसपा की टिकट पर ताल ठोक दी है। वह कांग्रेस के शहरी वोटर के साथ ही भाजपा के परंपरागत विकास वर्ग के मतों में सेंध लगा सकते हैं ग्वालियर लोकसभा सीट- कांग्रेस का टिकट मांग रहे कल्याण सिंह कंसाना बहुजन समाज पार्टी से चुनाव मैदान में है इनका मुकाबला बीजेपी के भारत सिंह कुशवाह और कांग्रेस के प्रवीण पाठक से है। सूत्रों के मुताबिक बसपा से गुर्जर को टिकट दिलाने के पीछे भाजपा की रणनीति है ताकि कांग्रेस को एक मुश्त मिलने वाली गुर्जर वोटो में सेंध लगाई जा सके।

गुना शिवपुरी लोकसभा सीट- गुना लोकसभा है जहां बीजेपी के ज्योतिरादित्य सिंधिया और कांग्रेस के मानवेंद्र सिंह के बीच मुकाबला है यहां बहुजन समाज पार्टी की ओर से धनीराम चौधरी को टिकट दिया गया है। इन सभी सीटों पर बहुजन समाज पार्टी ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी है।

बागी उम्मीदवार खड़े होने के बाद बीजेपी और कांग्रेस एक दूसरे पर वोटों के नुकसान का आरोप लगा रहे है। कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष आर पी सिंह का कहना है कि ग्वालियर चंबल अंचल में बीजेपी और कांग्रेस के बाद किसी अन्य पार्टी का वर्चस्व नहीं है और जितने भी बागी खड़े हुए हैं वह कांग्रेस को कोई नुकसान करने वाला नहीं है यह सभी भारतीय जनता पार्टी को नुकसान करेंगे और एक तरह से उन्हीं के खिलाफ यह सभी बाकी चुनाव लड़ रहे हैं। ग्वालियर चंबल में जो बागी नेता चुनाव लड़ रहे हैं वह पहले से ही हारे हुए हैं और जनता के बीच उनका कोई जनाधार नहीं है।वही बीजेपी के सांसद विवेक नारायण शेजवलकर का कहना है कि कांग्रेस में ही एक तरह से भगदड़ का माहौल है और उन्हीं में से बागी नेता चुनाव लड़ रहे हैं और बाकी नेताओं से बीजेपी को कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है क्योंकि बीजेपी का वाटर सिर्फ विकास को आधार मानकर वोट देता है। और भाजपा से जो लोग टूट कर किसी अन्य दल में जाते हैं उसे पार्टी और जनता नकार देती है उनसे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है।

बीएसपी के उम्मीदवार अपनी अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। किसी सीट पर बीएसपी के खाते में बड़ा वोट डाइवर्ट हो गया तो नुकसान कही कांग्रेस को तो कहीं बीजेपी को उठाना पड़ेगा, लेकिन एक बात तय है कि इन सभी सीटों पर भाजपा और कांग्रेस के बगावती नेताओं ने दोनों पार्टियों का गणित बिगाड़ दिया है यह जितने में भले कामयाब ना हो।

6 मई और 7 मई को कराई जाएगी होम वोटिंग-कलेक्टर

उज्जैन। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने प्रशासनिक संकुल भवन में आयोजित समयसीमा की बैठक में लोकसभा निर्वाचन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में ईटीबीएस, बैलेट मतदान और होम वोटिंग की समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र के 1483 पात्र 85 प्लस आयु के वृद्ध मतदाताओं और दिव्यांग मतदाताओं की होम वोटिंग 6 मई और 7 मई को प्रात: 7 बजे से शाम 6 बजे के मध्य कराई जाएगी।

6 मई को होम वोटिंग दल फर्स्ट विजिट कर मतदाताओं के घर जाकर मतदान कराएगा। 6 मई को अनुपस्थित पाए गए मतदाताओं की 7 मई को होम वोटिंग कराई जाएगी। होम वेटिंग के निर्धारित 1483 में से 85 प्लस आयु के 1258 वृद्ध और 225 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं।

जिसके लिए उज्जैन की विधानसभाओं में कुल 98 रूट बनाएं गए हैं, जिसके लिए 98 होम वोटिंग की टीम नियोजित की जायेगी। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ही होम वोटिंग कराई जाए। सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा होम वोटिंग के लिए 4 मई तक मतदान सामग्री होम वोटिंग दल को उपलब्ध कराएं। होम वोटिंग टीम को आयोग के दिशा निर्देशों से अच्छे से अवगत कराएं। होम वोटिंग के निर्धारित कार्यक्रम की सूचना राजनैतिक दलों को भी दी जाएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि 1 मई को ईवीएम मशीनों का सेकेंड रेंडमाईजेशन किया जाएगा। इसके बाद 3 मई को इंजीनियरिंग कॉलेज में ईवीएम मशीनों की कमीशनिंग होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की निगरानी में कमीशनिंग की कार्यवाही की जाएं। कमीशनिंग के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज में आवश्यक बेरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरा , वीडियोग्राफी की व्यवस्था की जाएं।

बताया गया कि मतदान दलों का प्रशिक्षण 3 मई से प्रारंभ किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मतदान दलों के प्रशिक्षण में सेक्टर अधिकारी भी उपस्थित रहें। ईवीएम मशीनों के संचालन के संबंध में मतदान दलों को अच्छे से प्रशिक्षण दिया जाएं। उन्होंने ईडीसी से जारी करने की सभी आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन्हें ईडीसी जारी किया जा रहा है उन्हें सूचना दी जाएं कि 3 मई से 9 मई तक संचालित प्रशिक्षण में स्थापित सुविधा केंद्र से ईडीसी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने पोस्टल बैलेट से मतदान की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्वाचन संबंधी सामग्री की उपलब्धता की भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि वोटिंग कंपार्टमेंट सहित अन्य निर्वाचन सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने परिवहन के संबंध में वाहन चालकों के भोजन, स्वल्पाहार आदि की व्यवस्थाएं किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने 1105 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की तैयारियां किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्वीप अंतर्गत निर्देशित किया कि जिले में व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता के बैनर लगाएं जाएं। साथ ही प्रमुख चौराहों पर भी 13 मई को मतदान के भी बैनर लगाएं जाएं। इसी प्रकार जिले के प्रमुख मंदिरों पर मतदाता जागरूकता के बैनर लगाएं। प्रमुख रेडियो प्लेटफार्म पर भी मतदाता जागरूकता के प्रोग्राम किए जाएं। जिसमें वरिष्ठ अधिकारी शामिल होकर मतदान के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करें। फेसबुक लाइव के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देशित किया कि नगर निगम उज्जैन, सभी निकायों और पंचायतों द्वारा अपने क्षेत्र में 11, 12 और 13 मई को जितनी भी शादियां हैं, उनका पता, वर और वधू, रिश्तेदारों की जानकारी एकत्र की जाएं। सभी को डिस्ट्रिक्ट कमांड एंड कंट्रोल रूम से कॉल कर 13 मई को अपने मतदान केंद्र पर मतदान करने के लिए प्रेरित किया जाएं। सभी वार्डो में हस्ताक्षर अभियान पुनः प्रभावी ढंग से आयोजित किया जाएं। सभी जिला अधिकारी हस्ताक्षर अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि शत प्रतिशत मतदाता पर्ची का डोर टू डोर वितरण कराएं। उन्होंने कहा कि स्थैतिक निगरानी दल (एसएसटी) पॉइंट्स पर वाहनों की सघन चेकिंग की जाएं। सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारी अपने क्षेत्र में स्थापित एसएसटी पॉइंट्स का निरीक्षण कर वाहनों की चेकिंग की निगरानी करें। उन्होंने निर्देश दिए कि मतदान केंद्रों पर पर्याप्त छांव, पेयजल,दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था रहे। मतदान दलों पर रुकने के लिए भी केंद्रों पर माकूल प्रबंध किए जाएं।

कलेक्टर श्री सिंह पंचक्रोशी यात्रा की तैयारियों की समीक्षा कर पड़ाव स्थलों पर शेड, पेयजल, प्रकाश, स्नान व्यवस्था, सीसीटीवी ,फागिंग ,फायर सेफ्टी , चिकित्सा इत्यादि की जानकारी ली और सभी तैयारियां 30 अप्रैल तक पूर्ण कराने के निर्देश दिए। यात्रा की तैयारियों में किसी भी स्तर पर कोई कमी न रहे।

कलेक्टर श्री सिंह ने राजस्व अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि जनहित से जुड़े राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाए। पटवारी अपने दायित्वों को गंभीरता से निभाएं। लापरवाही पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी और सिविल सर्जन जिला अस्पताल में उपचार व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करें। सीसीटीवी के माध्यम से अस्पताल की निगरानी की जाएं। किसी भी स्तर पर अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्यवाही करें। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में खुले बोरवेल का सर्वे कराएं जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम को पाए गए खुले बोरवेल को बंद कराने और संबंधितों को पब्लिक न्यूसेंस का नोटिस जारी किये जाने के लिए कहा। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मृणाल मीना, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री महेंद्र कवचे , एडीएम श्री अनुकूल जैन, सीईओ यूडीए श्री संदीप सोनी सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

अच्छे विचार, निष्ठावान और कर्मठ लोगों को ही आगे लाना चाहिए

उज्जैन। प्रज्ञा सागर जी महाराज के गुरुदेव पुष्प गिरी प्रणेता आचार्य पुष्पदंत सागर जी महाराज इन दिनों श्री महावीर तपोभूमि उज्जैन पर विराजित हैं तपोभूमि पर प्रातः भगवान की भक्ति के साथ रात में श्री जी की आरती महाराज जी के सानिध्य में ही होती है

कालीकुंड पार्श्वनाथ भगवान की भव्य शांति धारा एवं अभिषेक आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी महाराज एवं आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज के सानिध्य में हुई जिसमें सैकड़ो लोग सम्मिलित हुए मीडिया प्रभारी सचिन कासलीवाल ने बताया कि आचार्य पुष्पदंत सागर जी महाराज एवं आचार्य प्रज्ञा सागर जी महाराज के दर्शन करने आज उज्जैन पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा पहुंचे जहां तपोभूमि ट्रस्ट द्वारा उनका सम्मान किया गया

इस अवसर पर आचार्य पुष्पदंत सागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि जो लोग स्वच्छ के होते हैं अच्छी विचारधारा के होते हैं, सुलझे हुए होते हैं, कर्मठ एवं निष्ठावान होते हैं ऐसे लोगों को अवश्य आगे बढ़ना चाहिए ऐसे लोगों को देखकर ही अन्य लोग भी इनका अनुसरण करते हैं जिससे एक स्वच्छ वातावरण निर्मित होता है जो जन कल्याण, समाज कल्याण, मानव कल्याण के लिए अति आवश्यक होता है। एवं आचार्य प्रज्ञा सागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि जियो तो ऐसे जियो जैसे हर दिन त्यौहार हो उमंग, मस्ती,खुशी से जियो खुशी का नाम जिंदगी।

पुलिस अधीक्षक एसपी प्रदीप शर्मा को आचार्य प्रज्ञा सागर जी महाराज ने अपने द्वारा रचित ग्रंथ एवं पुस्तक भेंट की वही एसपी महोदय ने श्री महावीर तपो भूमि के प्रत्येक मंदिरों में दर्शन किए वहां के महत्व को समझा एवं कालीकुंड पारसनाथ भगवान पर छात्र समर्पित किया चढ़ाया व ध्यान केंद्र पर ध्यान भी लगाया।

तपोभूमि ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष अशोक जैन चायवाला, अध्यक्ष दिनेश जैन (सुपर फार्मा), सचिव संजय बड़जात्या, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र सिघंई, कार्याध्यक्ष इंदरमल जैन, सह कोषाध्यक्ष गिरीश बिलाला,गुरुकुल संयोजक राजेन्द्र लुहाड़िया एवं प्रज्ञा कला मंच अध्यक्ष निशि जैन, सचिव रश्मि सेठी,प्रज्ञा युवा मंच अध्यक्ष पलाश लुहाड़िया, सचिव निखिल विनायक, प्रज्ञा पुष्प मंच अध्यक्ष अवनी जैन, सचिव तनिषा जैन प्रज्ञा बाल मंच अध्यक्ष काव्य सेठी, सचिव आराध्य जैन, व तपोभूमि परिवार व संपूर्ण समाज के सभी मंदिरों के ट्रस्टी वरिष्ठ नागरिक वरिष्ठ समाजसेवी वरिष्ठ पत्रकार एवं कई गणमन नागरिक उपस्थित थे उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सेठी, सहसचिव हितेष जैन,ग्रंथालय प्रभारी अनिल कासलीवाल, जीवदया प्रभारी दिनेश,पण्ड्या,मंदिर व्यवस्था प्रभारी विमल जैन, अनिल बुखारिया, संरक्षक कमल मोदी, पवन बोहरा सुनील जैन (ट्रांसपोर्ट) आदि सैकड़ो धर्मानुलंभी समाज जन ने आग्रह किया की कार्यक्रम में संपूर्ण समाज एकत्रित हुए सम्मिलित होवे।

दूसरों का अहित करने से कुछ नहीं मिलता केवल हताशा मिलती है

उज्जैन। दूसरों का अहित करने से कुछ नहीं मिलता केवल हताशा मिलती है, निराशा मिलती है। सभी दुखों का द्वार अहंकार है, रूप, धन, पद, पदवी का अभिमान करना नासमझी है, सरल बने रहे, विनम्र बने रहे, जो कुछ जीवन में मिला महाकाल का प्रसाद है। हम महाकाल की भक्ति में लीन है वह भी महाकाल का प्रसाद है उनकी कृपा के बिना श्वास भी नहीं ले सकते, शिव हमारी श्वास है। सोने के आभूषण पहनने से शिव को प्रिय नहीं होंगे, रूद्राक्ष पहनने वाला महादेव को बहुत प्रिय रहता है, महादेव का वात्सल्य रहता है उनके प्रति। नाभि से उपर रूद्राक्ष पहन सकते हैं, नाभि से नीचे नहीं। विधि पूर्वक रूद्राक्ष को

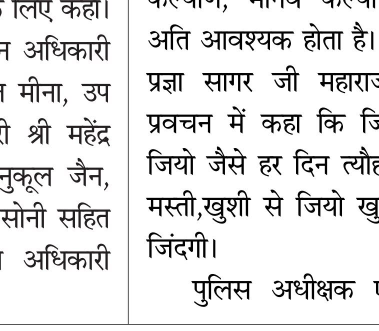

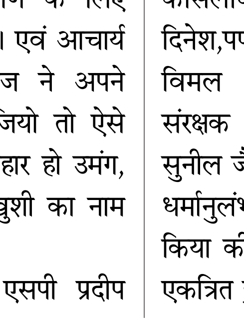

धारण करें। जो ध्यान नहीं कर सकता, पूजन नहीं कर सकता उनके लिये रूद्राक्ष परम गति का साधन है। जो रूद्राक्ष पहनते हैं उनकी मति कभी भ्रमित नहीं होती। महाकाल की नगरी में आए है गले में रूद्राक्ष नहीं है तो शर्म आनी चाहिये आपको। महाकाल को याद करके रूद्राक्ष धारण कीजिये, काल आपके पास नहीं आएगा। आपने कहा महाकाल को जो भस्म चढ़ाई जाती है वो प्रसाद है।

उक्त बात शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन श्री गिरि बापु महाराज ने कही। हरसिद्धि माता मंदिर के पीछे नृसिंह घाट रोड़ स्थित झालरिया मठ पर आयोजित शिव महापुराण कथा में महाराजश्री ने कहा इस दुनिया में 7 करोड़ महामंत्र है यदि उनका फल प्राप्त करना है तो पंचाक्षर मंत्र का जप करे, ओम नमः शिवाय का जाप करें।

स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज महामंडलेश्वर की उपाधि से विभूषित

उज्जैन। श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के पंचों द्वारा सभी प्रमुख साधु संतों, अखाड़े के पंचों की सहमति से महामंडलेश्वर महेंद्रानंद गिरि महाराज को जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि के निर्देशानुसार जगतगुरू की उपाधि से विभूषित किया गया। उन्हें अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद द्वारा सिद्ध बाबा मौज गिरि आश्रम में आयोजित समारोह में वैदिक परम्परानुसार गर्गाचार्य पीठ का जगतगुरू बनाया गया। साथ ही उनके शिष्य स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज को महामंडलेश्वर की उपाधि से सम्मानित किया गया।

काशी सुमेरु पीठाधीश्वर जगद्गुरु नरेंद्रानंद सरस्वती, श्रीमहंत हरि गिरि महाराज, जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय सभापति श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज व श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर, श्रीपंच दशनाम जूना अखाडा अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व हिंदू यूनाइटिड फ्रंट के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने विधि-विधान के साथ महामंडलेश्वर महेंद्रानंद गिरि महाराज को गर्गाचार्य पीठ के जगतगुरू व स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज को महामंडलेश्वर के पद पर अलंकृत किया गया, श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा की विभिन्न शाखाओ से जगतगुरु पद पर आसीन महेंद्रनंद गिरी महाराज को शुभकामनाएं दी गई। श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा नीलगंगा पर श्री महंत रामेश्वर गिरी महाराज थानापति महंत देवगिरी महाराज, जूना अखाड़ा के स्थानीय व्यवस्थापक और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता डॉ. गोविंद सोलंकी, परिषद के समन्वय डॉ. राहुल कटारिया सहित अन्य भक्तों ने महेंद्र आनंद जी महाराज को शुभकामनाएं दी। काशी सुमेरु पीठाधीश्वर जगद्गुरु नरेंद्रानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि महामंडलेश्वर के रूप में महेंद्रानंद गिरि महाराज ने सनातन धर्म की जो सेवा की और उसका परचम देश ही नहीं पूरे विश्व में फहराया, उसे देखते हुए ही उन्हें गर्गाचार्य पीठ की परम्परा के अनुसार पीठ का जगदगुरू बनाया गया है। श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने कहा कि अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद सनातन धर्म को मजबूत कर देश में रामराज्य स्थापित करने व भारत को पुनः विश्व गुरू बनाने के प्रयास में लगा है। इस कार्य के लिए महेंद्रानंद गिरि महाराज ने अपना पूरा जीवन ही सनातन धर्म को समर्पित कर रखा है। इसी के चलते उन्हें गर्गाचार्य पीठ का जगतगुरू बनाया गया है।

ग्रीष्मकालीन शिविर में रामघाट पर हुई तैराकी प्रतियोगिता

उज्जैन। माँ शिप्रा तैराक दल सामाजिक एवं सांस्कृतिक कल्याण समिति के तत्वावधान में चलाये जा रहे ग्रीष्मकालीन तैराकी शिविर में बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु संस्था द्वारा बच्चो के लिए रविवार को तैराकी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रख्यात ज्योतिषाचार्य परम पुज्य पं देवी शंकर व्यास के पुण्य स्मरण दिवस पर बच्चो को मैडल वितरित कर पुरस्कृत किया गया। संस्था विगत 7 वर्षों से रामघाट पर तैराकी शिविर आयोजित करती आ रही हैं। कई राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय खिलाड़ी मां शिप्रा में तैराकी कर निकले हैं। कार्यक्रम में विशेष अतिथि ज्योतिर्विद पं. अजय व्यास, पं प्रदीप शर्मा महाकाल मंदिर पुरोहित, नेहा प्रजापत द्वारा प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय आने वाले बच्चों आदित्य शुक्ला, वैष्णवी बारोड़, डिब्बे वाली प्रतियोगिता में अदिति शुक्ला, माही राठौर, रिदम मालवीय, जयंत राठौर, रत्नेश मालवीय मेडल पहनाया।

नेपाली बाबा ने किये महाकाल दर्शन

उज्जैन। यज्ञ सम्राट परम तपस्वी 1008 आत्मानंद दास महात्यागी (नेपाली बाबा) जी महाराज उज्जैन आए।

बाबा महाकाल का दर्शन अभिषेक कर नेपाली बाबा ने इंदिरा नगर स्थित समाज सेवक हरि सिंह यादव के निवास पर भक्तों को दर्शन दिए और आशीर्वाद दिया। उसी दौरान उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि पर प्राण प्रतिष्ठा के सफल आयोजन के बाद उज्जैन आकर महाकाल बाबा का अभिषेक पूजन किया है। अब उन्होंने महाकाल मंदिर के पुजारी और पंडो के परिवार को स्नेह प्रसादी ग्रहण करने की इच्छा जताई है। 1 मई बुधवार को नृसिंह घाट स्थित बालाजी गार्डन में भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। हरि सिंह यादव ने बताया कि प्रवास के दौरान नेपाली बाबा भक्तों से 2025 में इलाहाबाद में होने वाले महाकुंभ को लेकर चर्चा करेंगे।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में 9 जोड़े बंधे विवाह बंधन में

उज्जैन। भांबी समाज मध्यप्रदेश द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन उज्जैन में किया गया। जिसमें 9 जोड़े विवाह बंधन में बंधे।

सामूहिक विवाह सम्मेलन से पूर्व चौसठ योगिनी बाबा रामदेव मंदिर से चल समारोह के रूप में वर वधु, घोड़े बग्गी पर सवार होकर विवाह स्थल पर पहुचे। फिजूलखर्ची रोकने एवं सामाजिक एकता के उद्देश्य से आयोजित इस वैवाहिक सम्मेलन में गृहस्थी के उपयोग में आने वाले सामानों के साथ आभूषण, वस्त्र दुल्हा दुल्हन को भेंट किये गये।

गढ़कालिका माता मंदिर के सामने मां अन्नपूर्णा पैलेस में आयोजित 10 वें सामूहिक विवाह सम्मेलन में मेवाड़ा भांबी समाज अध्यक्ष मोहन मेवाडा द्वारा 9 जोड़ों को डिनर सेट उपहार स्वरूप भेंट किये गये वहीं संगठन मंत्री बद्री लाल हेरा की ओर से केटर सेट साथ ही संरक्षक देवनारायण जयपाल द्वारा 2100 रूपये जोड़े को दिए गए। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष मनोज लोहिया, सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति अध्यक्ष राधेश्याम जौहर,, शहर अध्यक्ष सुनील कड़ेला, भगवतीप्रसाद कड़ेला, जगदीशचंद्र कड़ेला, सुनील कर्चेरिया, प्रीतम लिम्बा, कन्हैयालाल राठी, कैलाश जनागल, देवव्रत तिरदीया, मांगीलाल कड़ेला, विशाल देथरवाल, जितेन्द्र देपन, कैलाश जनागल, देवदत्त तिरदीया, मांगीलाल कड़ेला, विशाल देथरवाल, जितेंद्र देपन, कैलाशचंद्र खजवाना, लोकेश कड़ेला, रमेश जूनागल, हरिओम चौहान सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। शहर अध्यक्ष सुनील कड़ेला ने आने वाले लोकसभा चुनाव में मतदान की शपथ दिलाई।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर आरंभ

उज्जैन। नगर की सबसे प्रसिद्ध प्राचीनतम 107 वर्ष पुरानी संस्था अ.प्रा.जी व्यायाम शाला में 45 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षित शिविर का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम के अतिथि श्री मुकेश जैन शासकीय अधिवक्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे अध्यक्ष श्री रामचंद्र सोलंपंखी ने हनुमान जी का पूजन आरती कर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर संस्था के बालक बालिकाओं ने आकर्षक योग मलखंभ की प्रस्तुति दी संस्था को संकल्पित आजीवन सदस्यता में सर्वश्री प्रभाकर पाध्ये, सुरेश सरवटे, लता दत्तात्रेय वेद्य, मुकेश जैन द्वारा संस्था की आजीवन सदस्यता ग्रहण की संस्था के कार्यअध्यक्ष सत्यनारायण शास्त्री उपाध्यक्ष रविंद्र पेडारकर ने अतिथियों का स्वागत किया इस अवसर पर संस्था के विद्यार्थियों एवं सदस्य गण सर्व श्री गजेंद्र मेहता, रमेश चंद दुबे, गोपाल व्यास, महेंद्र जैन, महेश राठौर, सुनील पित्रे, पं नितिन जोशी एडवोकेट, विश्वास जोशी सहित अनेक गण्यमान उपस्थित रहे संस्था में प्रतिदिन सायंकाल 6 बजे से कबड्डी, योग, मलखंभ, लाठी घुमाना के शिविर आयोजित किये जा रहे हैं।

मृत्यु भोज बंद करने के साथ मतदान का आव्हान

उज्जैन। उज्जैन कुर्मी क्षत्रिय समाज की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया गया। कोठी रोड़ स्थित बालोद्यान में आयोजित सभा में कुर्मी क्षत्रिय समाज की धर्मशाला आने वाले सिंहस्थ 2028 तक आवश्यक रूप से निर्माण करने, सरदार पटेल की प्रतिमा की स्थापना के लिये प्रयास जारी रखे जाने के साथ ही सामाजिक संगठन को मजबूत करने का प्रयास जारी रखने का निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री ने बुजुर्गों से भरवाए आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना के फार्म

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को भोपाल में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों का पांच लाख रुपये के निःशुल्क इलाज के लिए फार्म भरवाकर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने भोपाल के शास्त्री नगर में 80 वर्षीय भंवरलाल पुरोहित, 74 वर्षीय भंवरीबाई पुरोहित, 82 वर्षीय पंकजा पी नायर और 82 वर्षीय मालती गुप्ता के निवास पहुंचकर योजना का फार्म भरवाया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भोपाल के 6 नंबर स्टॉप के पास अंकुर कॉम्पलेक्स में 84 वर्षीय कमलचंद कोठारी और 78 वर्षीय सरोज कोठारी के फार्म भरवाकर अभियान का शुभारंभ किया।

शास्त्री नगर में योजना के शुभारंभ अवसर पर लोकसभा चुनाव के प्रदेश सह प्रभारी सतीष उपाध्याय उपस्थित रहे। योजना का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुजुर्गों के लिए बड़ी योजना लाए हैं। इस योजना से देश के करीब 40 लाख बुजुर्गों को लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के बुजुर्गों का ख्याल रखने के लिए इस योजना को लेकर आए हैं। पार्टी के संकल्प-पत्र में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना को शामिल कर इसे पूरा करने की गारंटी प्रधानमंत्री मोदी ने दी है, ताकि 70 साल से अधिक आयु के हर वर्ग और हर समाज के बुजुर्गों को इलाज में कोई परेशानी नहीं हो। इस योजना की खास बात यह है कि इनकम टैक्स का दायरा इसमें शामिल नहीं किया गया है। इसलिए इस योजना का लाभ हर 70 साल से अधिक बुजुर्ग को मिलेगा। 70 साल का हर बुजुर्ग पांच लाख का इलाज प्रदेश के किसी भी निजी अस्पताल में मुफ्त में करा सकेंगे। अगर इलाज में उसके बाद भी कोई आवश्यकता पड़ती है तो प्रदेश सरकार ने एयर एंबुलेंस सुविधा को शुरू किया है। डॉक्टरों और कलेक्टर के आपस में संवाद के बाद उन्हें इस योजना का भी लाभ दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भोपाल के दक्षिण-पश्चिम विधानसभा से आयुष्मान लाभ विस्तार अभियान को भाजपा ने शुरू किया है। आने वाले दिनों में पूरे प्रदेश में इस योजना के तहत फॉर्म भराए जाएंगे और हम प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी को पूरा करने का हिस्सा बनेंगे, ताकि बुजुर्गों को इसका लाभ मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने बुजुर्गों को आयुष्मान योजना में जोड़कर बड़ा काम किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री आवास के तहत देश के गरीबों को चार करोड़ मकान दिए। उज्जवला योजना के तहत देशभर में महिलाओं को अब धुएं से राहत मिली है। साथ ही 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास और सबके प्रयास के मूल मंत्र को लेकर सभी वर्गों का कल्याण किया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का डंका दुनिया में बज रहा है और देश पांचवी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। भारत 2024 तक विश्व गुरू बनेगा और हमारा मध्यप्रदेश आने वाले पांच सालों में देश का नंबर एक राज्य बने इस दिशा में हमारी सरकार तेजी से काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि यह चुनावी समय है, परन्तु भाजपा का दृष्टिकोण हमेशा सेवा और समर्पण का रहा है। हम बुजुर्गों की इस योजना को प्रदेश में सफलता के साथ पूरा कर हर पात्र बुजुर्ग को इसका लाभ दिलाएंगे। डॉ. यादव ने प्रदेश में 7 और 13 मई को होने वाले मतदान में बड़ी संख्या में लोगों से वोट करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश की जनता के आशीर्वाद से एक बार फिर मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार होकर रहेगा। प्रदेश की सभी 29 सीटें भाजपा जीत कर नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाकर उनके हाथ मजबूत करेगी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हर वर्ग व समाज के 70 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख तक के निःशुल्क इलाज का अधिकार प्रदान किया है। यह प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी है। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता समाप्त होने के बाद नरेन्द्र मोदी के ऐतिहासिक बहुमत से तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते ही यह योजना लागू हो जाएगी। देश के लाखों बुजुर्गों को अब समय पर बेहतर इलाज मिल सकेगा, कोई भी बुजुर्ग आर्थिक परेशानी की वजह से इलाज से वंचित नहीं रह सकेगा।

प्रधानमंत्री ने इस योजना में आयकरदाताओं और गरीबी की रेखा के ऊपर जीवन यापन करने वाले 70 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों को शामिल कर उनके इलाज की गारंटी दी है। इस योजना में किसी भी जाति, धर्म, समाज व क्षेत्र का प्रतिबंध नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा के संकल्प पत्र में 70 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों को पांच लाख तक के निःशुल्क इलाज की गारंटी दी थी। उसी के तहत आज से मध्यप्रदेश में बुजुर्गों के फार्म भरवाने की पक्रिया शुरू की गई है। मैं प्रदेशभर के बुजुर्गों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं कि देश को ऐसे प्रधानमंत्री मिले हैं, जो सभी के हितों के लिए कार्य कर रहे हैं।

पहले प्रेमिका मारा फिर खुद की ली जान

शिवपुरी। शिवपुरी जिले के अमोला थाना क्षेत्र के नारही गांव के खेत में बने गड्ढे में एक प्रेमी जोड़े की लाश मिली हैं। दोनों की मौत कनपटी पर गोली लगने हुई है। दोनों की लाशें ग्रामीणों द्वारा गड्ढे में पड़ी देखी गई थीं। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को जांच के दौरान एक 315 बोर का कट्टा और दो खाली कारतूस मिले हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्वालियर से फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। कई घंटे बाद मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम की जांच के बाद दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, नारही गांव के रहने वाले 22 साल के रोहित शर्मा और इसी गांव की रहने वाली आदिवासी युवती मुस्कान के बीच प्रेम प्रसंग की बात निकलकर सामने आई है। दोनों के शव गांव से आधा किलोमीटर पन्ना लाल जाटव के खेत में बने गड्ढे में पड़ा हुए मिले। दोनों के कनपटी पर गोली लगी थी। दोनों के शव सड़ने लगे थे। माना जा रहा है कि यह घटना रात 12 बजे से पहले घटित हुई होगी। दोनों के शव के पास कट्टा और खाली कारतूस पड़े हुए मिले। प्रथम दृष्ट्या ऐसा लग रहा है कि रोहित ने पहले मुस्कान की गोली मारकर हत्या की फिर खुद अपनी कनपटी पर कट्टे से गोली मारकर सुसाइड कर लिया। हालांकि, रोहित ने यह कदम किन कारणों के चलते उठाया इसका पता फिलहाल नहीं लग सका है। रोहित शनिवार की शाम 4 बजे अपने घर से नहाकर निकला था। वहीं मुस्कान भी अपने घर से लापता थी। बताया गया है कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग की भनक रोहित के परिजनों को लग चुकी थी। लेकिन उन्होंने एक साथ क्यों आत्महत्या की इस बात का खुलासा अभी नहीं हो सका है।

बता दें कि, दोनों के शव के पास पुलिस को सिंदूर की एक डिब्बी भी मिली है। दोनों के बीच आगे की क्या प्लानिंग होने वाली थी और इस प्लानिंग के बीच प्रेमी ने अपनी प्रेमिका और इसके बाद खुद को क्यों गोली मार दी, पुलिस इसकी पड़ताल कर रही है। एसपी अमन सिंह राठौर ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। उनका कहना है कि घटनास्थल का मुआयना करने के बाद प्रथम दृष्ट्या ऐसा प्रतीत हो रहा है कि युवक ने पहले युवती में गोली मारी है फिर खुद को गोली मारी है।फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची है। उनकी रिपोर्ट आना बाकी है।

कांग्रेस और कांग्रेसियों के खून में आज भी अंग्रेजों के जीन हैं

भोपाल। मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी एक परिवार तक ही सीमित रही है और उसने हमेशा फूट डालो और राज करो का काम किया है। शर्मा ने आगे कहा कि कांग्रेस और कांग्रेस के लोगों के खून में आज भी भी अंग्रेजों के जीन हैं और इसका असर यह हुआ कि उन्हें केवल विभाजन और विभाजन कैसे करना है, दिखाई देता है।

शर्मा ने बताया, राहुल गांधी और उनका परिवार और कांग्रेस एक परिवार तक ही सीमित हो गई है और उन्होंने हमेशा फूट डालो और राज करो किया है। कांग्रेस और कांग्रेस के लोगों के खून में आज भी अंग्रेजों के जीन हैं और उसी का दुष्परिणाम डिवीजन ही दिखाई देता है। ये हर चुनाव में यही सोचते रहते हैं, लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी ने 10 साल में देश की राजनीति बदल दी है, यहां तक कि अल्पसंख्यक भी कहते हैं कि पीएम मोदी ने कोई पक्षपात नहीं किया है।

भाजपा नेता ने मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के इस दावे पर भी कटाक्ष किया कि कांग्रेस राज्य में लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों में

12 सीटों में से कम से कम पांच सीटें जीतेगी, उन्होंने कहा कि उन्हें 4 जून को मतगणना के दिन का इंतजार करना चाहिए।

वीडी शर्मा ने कहा, कमलनाथ भी सपना देखते थे कि 2020 के विधानसभा उपचुनाव के दौरान वह मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। जब स्थानीय निकाय चुनाव और 2023 के विधानसभा चुनाव हुए, तब भी वह तरह-तरह की बातें कर रहे थे और जनता ने उन्हें बता दिया, इसलिए जीतू पटवारी को 4 जून का इंतजार करना चाहिए और उस दिन आपकी (पटवारी की) कुर्सी भी बंध जाएगी।

मध्य प्रदेश में लोकसभा की कुल 29 सीटें हैं। इनमें से 12 लोकसभा सीटों के लिए पहले दो चरणों में चुनाव हो चुके हैं।

लोकसभा चुनाव के दो चरण संपन्न हुए जिसमें 12 संसदीय सीटों पर मतदान हुआ। छह संसदीय सीटों-टीकमगढ़ (एससी), दमोह, खजुराहो, सतना, रीवा और होशंगाबाद में 29 अप्रैल को मतदान हुआ था और 19 अप्रैल को पहल चरण के चुनाव में छह संसदीय सीटों-सीधी, शहडोल, जबलपुर, मंडला, बालाघाट और छिंदवाड़ा में पहले मतदान हुआ था। वहीं 29 अप्रैल को छह संसदीय सीटों-टीकमगढ़ (एससी), दमोह, खजुराहो, सतना, रीवा और होशंगाबाद में दूसरे चरण का मतदान का मतदान हुआ था।

शेष 17 संसदीय सीटों के लिए मतदान अगले दो चरणों में होना है, तीसरे चरण में नौ सीटों पर 7 मई को और चौथे चरण में आठ सीटों पर 13 मई को मतदान होना है। वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

मोदी के शासनकाल में गरीबी में आई कमी

वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के व्यापक परिदृश्य में भारत अपने तेज़ विकास और नई ऊंचाइयों को छूने के निरंतर संकल्प के लिए कार्यरत है। भारतीय संस्कृति की एक लंबी परंपरा है और 1.4 बिलियन से अधिक की आबादी के साथ, भारत एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में विकसित हो रहा है, जो लगातार दुनिया भर में अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण है। इसमें एक विशाल, युवा आबादी के साथ-साथ एक खुली, लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रणाली भी है। यह वर्तमान में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (पीपीपी) है और वैश्विक आर्थिक विकास में एक प्रमुख योगदानकर्ता है, फिर भी अभी महत्वपूर्ण अप्रयुक्त क्षमता है। दुनिया की आबादी के छठे हिस्से से अधिक के साथ भारत वैश्विक उत्पादन का बमुश्किल 7 फीसदी हिस्सा है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की उपलब्धियों का उसके वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक महत्व पर जबरदस्त प्रभाव पड़ेगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था के 2035 तक एशिया की ओर अधिक से अधिक झुकने की उम्मीद है, क्योंकि भारत, चीन और आसियान देश धीमी गति से बढ़ने वाली उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के साथ तालमेल बिठा लेंगे। 6 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर के साथ भी, भारत की अर्थव्यवस्था 2017 की तुलना में दोगुनी से अधिक बड़ी होगी। क्रय शक्ति समता के संदर्भ में, वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 2016 में 7 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 13 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जो इसे संयुक्त राज्य अमेरिका के बराबर लाएगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की जीडीपी वृद्धि दर रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जापान जैसे प्रमुख देशों से अधिक है। भारत एकमात्र एशियाई अर्थव्यवस्था है जिसने महामारी शुरू होने के बाद से अपने निवेश-से-जीडीपी अनुपात में वृद्धि की है। आयात पर इसकी निर्भरता भी कम हो गई है क्योंकि प्रेषण में वृद्धि हुई है और वैश्विक क्षमता केंद्र उभरे हैं, जो व्यापार प्रक्रिया आउटसोर्सिंग में भारत की पिछली सफलता पर आधारित है। 2022 से धन प्रेषण की मात्रा में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बंद अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के बजाय, जो कभी भारत को परिभाषित करती थी, आज अर्थव्यवस्था चीन की तुलना में अधिक खुली है और विकास के समान स्तर पर है। पिछले दशक में व्यापार भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 50 प्रतिशत से अधिक रहा है, जो 1990 में 15 प्रतिशत से भी कम था।

गरीबी में कमी और रोजगार दर में वृद्धि

विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष दोनों ने भारत के विश्व स्तरीय डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की प्रशंसा की, जिसने सरकार को सामाजिक कार्यक्रमों पर बेहतर ध्यान केंद्रित करने और कर अनुपालन बढ़ाने में मदद की है। विश्व बैंक अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा के अनुसार गरीबी को परिभाषित करता है, जो प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2.15 पर अत्यधिक गरीबी, 3.65 पर निम्न-मध्यम आय और 6.85 पर उच्च-मध्यम आय निर्धारित करता है। विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार, 2011 में भारत की गरीबी दर 22.53 प्रतिशत थी और भयानक महामारी के बाद भी यह काफी कम होकर 2021 में 11.9 प्रतिशत हो गई है। मानव विकास सूचकांक उन्नति के तुलनीय रुझान को दर्शाते हैं। पिछले दशक के दौरान फ्लशिंग शौचालय और खाना पकाने की गैस, शिशु मृत्यु दर और घरेलू बिजली तक पहुँच में काफी सुधार हुआ है। एक दशक पहले 40 फीसदी घरों में बिजली नहीं थी, आज, यह आंकड़ा 3 प्रतिशत से भी कम हो गया है।

भारत में 111 यूनिकॉर्न हैं, जिनका संयुक्त मूल्यांकन 349.67 बिलियन डॉलर है। 2021 में, 45 यूनिकॉर्न का जन्म हुआ, जिनका कुल मूल्य 102.30 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जबकि 2022 में 29.20 बिलियन डॉलर के कुल मूल्यांकन के साथ 22 यूनिकॉर्न का जन्म हुआ। भारत वर्तमान में दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा यूनिकॉर्न बेस है। सरकार अक्षय ऊर्जा पर भी काम कर रही है, जिसका लक्ष्य 2030 तक गैर-जीवाश्म स्रोतों से अपनी ऊर्जा का 40 उत्पन्न करना है। सरकारी अनुमानों के अनुसार, 31 दिसंबर, 2023 तक, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने लगभग 117,254 स्टार्टअप को मान्यता दी थी, जिसमें अनुमानित 111 यूनिकॉर्न शामिल थे। इन स्टार्टअप ने सामूहिक रूप से लगभग 1.24 मिलियन रोजगार सृजित किए हैं, जिसका काफी आर्थिक प्रभाव पड़ा है।

ईपीएफओ एक सामाजिक सुरक्षा संस्था है जो कर्मचारी भविष्य निधि और विविध नियम अधिनियम, 1952 के नियमों के तहत देश के संगठित कार्यबल को भविष्य निधि, पेंशन और बीमा निधि के रूप में सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है। सितंबर 2023 में, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत औपचारिक नौकरी सृजन इस साल अगस्त में 1.69 मिलियन से बढ़कर 1.72 मिलियन हो गया। सितंबर में 0.89 मिलियन से अधिक नए ईपीएफओ सदस्य नामांकित हुए, जिनमें से 58.9 प्रतिशत 18 से 25 वर्ष की आयु के थे। यह दर्शाता है कि देश के संगठित क्षेत्र के कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति युवा हैं, जिनमें से कई पहली बार कर्मचारी हैं। सोमवार, 12 फरवरी, 2024, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले दस वर्षों में पिछले प्रशासन की तुलना में 1.5 गुना अधिक रोजगार सृजित किए हैं।

मोदी सरकार की पहल

पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। भारत सरकार नागरिकों की वित्तीय स्थिरता के साथ-साथ अर्थव्यवस्था के समग्र विकास को लाभ पहुँचाने वाली नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने में प्रभावी रही है। पिछले कुछ दशकों में, भारत की जबरदस्त आर्थिक वृद्धि के परिणामस्वरूप निर्यात मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अलावा, सरकार की कई प्रमुख परियोजनाएँ, जैसे मेक इन इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट सिटी मिशन और कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन, भारत में अपार अवसर पैदा करने के लिए डिजाइन की गई हैं। इस लिहाज से, देश की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए सरकार के कुछ उपाय नीचे सूचीबद्ध हैं। 22 जनवरी, 2024 को, प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना की शुरुआत की। इस योजना से एक करोड़ घरों में छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएँगे।

17 सितंबर, 2023 को, प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में केंद्रीय क्षेत्र की योजना पीएम-विश्वकर्मा की शुरुआत की। नई योजना का उद्देश्य पारंपरिक कलाकारों और शिल्पकारों को पहचान दिलाना और प्रोत्साहित करना है जो अपने हाथों और सरल औजारों का उपयोग करते हैं। इस प्रयास का उद्देश्य उनके उत्पादों की गुणवत्ता, पैमाने और पहुंच में सुधार करना है, साथ ही उन्हें एमएसएमई मूल्य श्रृंखलाओं में शामिल करना है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान भारत की आर्थिक कहानी ने पूंजी निवेश के लिए सरकार के अटूट समर्थन को दिखाया, जो 2023-24 में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 37.4 प्रतिशत अधिक था। 2023-24 के बजट में पूंजीगत व्यय ने बढ़त हासिल की, जिसमें बजट अनुमान 2023-24 में 37.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10 लाख करोड़ रुपये (120.12 बिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गया, जो संशोधित अनुमान 2022-23 में 7.28 लाख करोड़ रुपये (87.45 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक है। चालू वित्त वर्ष में, राजस्व व्यय से पूंजीगत परिव्यय अनुपात में 1.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो उच्च-गुणवत्ता वाले व्यय की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है। भारत के पास एक जबरदस्त आर्थिक अवसर है अगर वह ऐसा माहौल बना सके जो उन लाखों युवा भारतीयों के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण और नौकरी के विकास को प्रोत्साहित करे जो श्रम क्षेत्र में प्रवेश करने वाले हैं। अगले दो दशकों में, भारत की कामकाजी आयु की आबादी लगभग 200 मिलियन बढ़कर एक अरब से अधिक हो जाने की उम्मीद है, जो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी बन जाएगी। मोदी सरकार की नई शिक्षा नीति में नौकरी चाहने वालों की तुलना में नौकरी देने वालों, कुशल युवाओं और स्नातक स्तर पर शोध और अभिनव दृष्टिकोण विकसित करने को प्राथमिकता दी गई है। इस तरह की कार्रवाइयों से बेरोजगारी दर में और कमी आएगी। भारत ने नवाचार और प्रौद्योगिकी में कुछ लोगों की अपेक्षा कहीं अधिक प्रगति की है। हां, जनसांख्यिकी देश को लाभ पहुंचाती है, लेकिन वे सकल घरेलू उत्पाद के अनन्य जनरेटर नहीं होंगे। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए नवाचार और श्रमिक उत्पादकता बढ़ाना महत्वपूर्ण होगा। तकनीकी शब्दों में, इसका मतलब है कि भारत की अर्थव्यवस्था में श्रम और पूंजी की प्रति इकाई अधिक उत्पादन। 2021 और 2022 में दो वर्षों के उच्च आर्थिक विकास के बाद, भारतीय अर्थव्यवस्था कैलेंडर वर्ष 2023 के दौरान मजबूती से बढ़ती रही है। निकट अवधि की आर्थिक उम्मीद 2024 में निरंतर तेजी से विस्तार की है, जिसे घरेलू मांग में उच्च वृद्धि का समर्थन प्राप्त है।

मोदी के नेतृत्व में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

पिछले चार वर्षों में, सकल घरेलू उत्पाद के हिस्से के रूप में भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश चीन के मुकाबले तीन गुना रहा है। पंद्रह साल पहले, चीन में निवेश अक्सर भारत की तुलना में चार गुना अधिक था। अंतरराष्ट्रीय ज्ञान रखने वाले प्रवासी अक्सर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की ओर आकर्षित होते हैं।

पिछले दशक में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि हुई है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के सकारात्मक दीर्घकालिक विकास पूर्वानुमान को दर्शाता है, जिसे युवा जनसंख्या संरचना और तेजी से बढ़ते शहरी पारिवारिक आय से सहायता मिली है। यूएस डॉलर के संदर्भ में भारत का नाममात्र जीडीपी 2022 में 3.5 ट्रिलियन यूएस डॉलर से बढ़कर 2030 तक 7.3 ट्रिलियन यूएस डॉलर होने का अनुमान है। इस तीव्र आर्थिक विस्तार के कारण 2030 तक भारतीय जीडीपी जापानी जीडीपी से अधिक हो जाएगी, जिससे भारत एशिया-प्रशांत में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। संयुक्त राष्ट्र के विश्व आर्थिक स्थिति और संभावना 2024 अध्ययन के अनुसार, भारत की स्थिर वृद्धि के कारण 2024 में दक्षिण एशिया की जीडीपी में 5.2 की वृद्धि होने की उम्मीद है। भारतीय अर्थव्यवस्था पर बैंक के मुख्य अर्ध-वार्षिक मूल्यांकन आयडीयू ने नोट किया है कि, गंभीर वैश्विक चिंताओं के बावजूद, भारत वित्त वर्ष 22/23 में 7.2 प्रतिशत की दर से सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक था।

महाकाल मंदिर के प्रसाद का विवाद हाईकोर्ट पहुंचा

उज्जैन। बाबा महाकालेश्वर मंदिर के प्रसाद पैकेट पर मंदिर का फोटो लगा होने से विवाद खड़ा हो गया है। हाईकोर्ट ने महाकाल मंदिर समिति को इस मामले को जल्द निपटारा करने के लिए तीन माह का समय दिया है। जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और जस्टिस गजेंद्र सिंह की बेंच ने बुधवार को इस मामले की सुनवाई की। हाईकोर्ट का आदेश सामने आया। बताया जा रहा है कि इस मामले को लेकर मंदिर समिति से पीएमओ तक इसकी शिकायत की गई, लेकिन किसी प्रकार का निर्णय नहीं आने के कारण इंदौर हाईकोर्ट की शरण लेना पड़ी।

श्री महाकालेश्वर मंदिर का प्रसाद दर्शन करने वाले भक्त ले जाते हैं यह भक्त देश ही नहीं विदेश से भी आते हैं। अब इस प्रसाद के पैकेट को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विवाद की वजह प्रसाद के पैकेट पर महाकाल मंदिर और ओम के साथ ओंकारेश्वर मंदिर का फोटो छपा है। प्रसाद के पैकेट पर से फोटो हटाने की मांग को लेकर 19 अप्रैल 2024 को महंत सुखदेवानंद ब्रह्मचारी गुरु श्रीमहंत योगानंद, ब्रह्मचारी श्री शंभु पंच अग्नि अखाड़ा इंदौर और पंडित शरद कुमार मिश्र, गुरु श्री स्वामी राधाकान्ताचार्य जी महाराज श्री दुर्गाशक्ति पीठ ने इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

इस याचिका में महाकाल मंदिर के लड्डू प्रसादी के पैकेट पर महाकाल मंदिर, ओंकारेश्वर और ऊँ छापने को गलत बताने के इसे हटवाने की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता के वकील अभीष्ट मिश्र ने बताया कि प्रसाद के पैकेट पर मंदिर और ओंकारेश्वर के चित्र बने हैं। इसे लेकर 11 अप्रैल 2024 को प्रशासनिक अधिकारियों से भी मिले थे। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस मामले को समिति के सामने रखेंगे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो पीएम मोदी से भी शिकायत की गई। पीएमओ से शिकायत के बाद सीएम हेल्पलाइन तक पहुंची, लेकिन यहां भी कह दिया गया कि मंदिर समिति में बात हो गई है। शिकायत का निराकरण जल्द हो जाएगा। इसके बाद 19 अप्रैल को हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में याचिका लगा दी गई। इस पर 24 अप्रैल को सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले को निराकरण के लिए मंदिर समिति को तीन महीने का समय दिया है।

साथ ही यह भी कहा है कि इसमें उचित कार्रवाई के बाद कोर्ट को अवगत कराया जाए। वहीं, उचित कदम नहीं उठाने पर दोबारा कोर्ट आने को भी कहा गया है।

याचिकाकर्ता के वकील अभीष्ट मिश्र ने बताया कि कोर्ट में बताया कि महाकाल मंदिर प्रबंध समिति लड्डू प्रसाद वितरण करती है। इसके बॉक्स पर महाकाल मंदिर का शिखर, जिसमें और शिखर के मध्य में नागचंद्रेश्वर मंदिर का फोटो लगा है। प्रसाद लेने के बाद लोग खाली पैकेट को डस्टबिन में फेंक देते हैं। अयोध्या में लाखों डिब्बे भेजे गए, जो बाद में कूड़ेदान में फेंक दिए गए। धर्म के हिसाब से यह अनुचित है। कोर्ट में तर्क दिया गया कि वैष्णों देवी और अमृतसर में गोल्डन टेम्पल के प्रसाद में भी कोई चित्र नहीं रहता है। मंदिर के अधिनियम में भी कही नहीं लिखा कि डिब्बे को कैसे रिसाइकिल करेंगे।

मंदिर के प्रशासक मृणाल मीणा ने कहा कि याचिकाकर्ता का आवेदन आने के बाद समिति में इसे रखकर निर्णय लिया जाएगा। मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि श्रद्धालुओं को भी समय-समय पर समझाइश दे रहे हैं कि लड्डू प्रसादी के पैकेट को हर कहीं ना फेंकें। महाकाल मंदिर समिति प्रति माह 12 हजार लड्डू प्रसादी के पैकेट प्रिंट करवाती है। मंदिर समिति लड्डू प्रसाद के पैकेट 100 ग्राम, 200 ग्राम, 500 ग्राम और एक किलो के पैकेट में उपलब्ध रहते हैं। भगवान महाकाल का लड्डू प्रसाद 400 रुपये किलो में मिलता है।

एमसीएमसी निगरानी कक्ष का निरीक्षण किया, टीवी, सोशल मीडिया व रेडियो मॉनीटरिंग कार्य की सराहना की

उज्जैन। लोकसभा निर्वाचन-2024 के अन्तर्गत उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र 22 के लिये नियुक्त निर्वाचन सामान्य प्रेक्षक सुश्री ज्योति यादव ने कलेक्टर कार्यालय भवन में प्रथम तल पर स्थापित कक्ष क्रमांक 123 में मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनीटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) निगरानी कक्ष का निरीक्षण किया तथा निरीक्षण कक्ष में स्थापित टीवी, सोशल मीडिया व रेडियो मॉनिटरिंग के कार्य का अवलोकन किया।

सुश्री यादव ने एमसीएमसी के अन्तर्गत टेलीविजन की मॉनीटरिंग कर रहे कर्मचारियों से चर्चा की एवं डेली और प्रोसीडिंग रजिस्टर का अवलोकन किया। रजिस्टर में समय-समय पर तिथिवार दर्ज की गई जानकारी पर संतोष व्यक्त किया।

एमसीएमसी समिति सदस्य श्री रोमित उइके ने सुश्री यादव को अवगत कराया कि निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार सतत एवं निरन्तर न्यूज चैनलों में आ रही खबरों का बारिकी से अध्ययन किया जा रहा है।

सुश्री यादव ने मॉनीटरिंग कर रहे अधिकारी एवं कर्मचारियों के कार्यो की सराहना की।

निरीक्षण के दौरान एमसीएमसी सदस्य सचिव श्री रोमित उइके, सहायक आयुक्त वाणिज्य कर श्रीमती संगीता भदौरिया एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

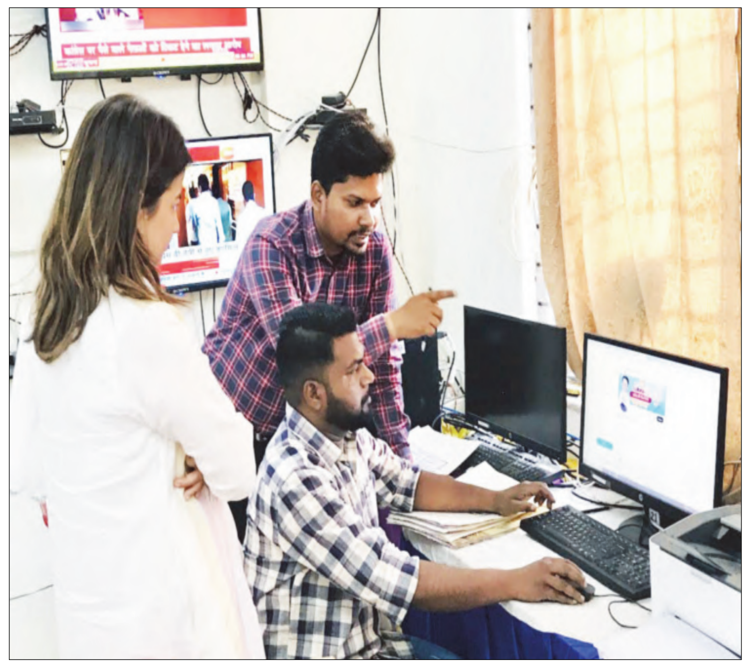

डेंटल और होटल मैनेजमेंट संस्थान की मांग

उज्जैन। संस्था सरल काव्यांजलि के महासचिव सन्तोष सुपेकर ने मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को पत्र लिखकर मेडिसिटी के लिए आभार व्यक्त करते हुए इसके अंतर्गत ही डेंट्रिस्ट्री कॉलेज भी खोलने की मांग की है।

जानकारी देते हुए संस्था अध्यक्ष डॉ. संजय नागर ने बताया कि प्रदेश में अभी सिर्फ इंदौर में शासकीय दन्त चिकित्सा महाविद्यालय है। पत्र में उज्जैन में बढ़ते होटल उद्योग के मद्देनजर स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट भी प्रारम्भ करने की मांग की गयी है ताकि विद्यार्थी यहीं व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकें।

प्रेम प्रसंग में खुदकुशी

उज्जैन। चिमनगंज थाना क्षेत्र के एकता नगर में रहने वाले युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। उपचार के लिए उसे अस्पताल में भर्ती करवाया था। जहां उसकी मौत हो गई। मृतक ने जहर खाने का मोबाइल से वीडियो भी बनाकर स्वजन को इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर दिया। बताया जा रहा है कि प्रेम प्रसंग के चलते युवक ने जहरीला पदार्थ खाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस ने बताया कि शोएब पुत्र शाकिर खान उम्र 24 वर्ष निवासी एकता नगर मिस्त्री का काम करता था। बताया जा रहा है कि उसका क्षेत्र में ही रहने वाली युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती के स्वजन ने उसकी शादी कहीं और तय कर दी थी। जिसको लेकर शोएब काफी परेशान था। कुछ दिन पूर्व युवती के स्वजन ने शोएब के साथ मारपीट भी की थी। शनिवार सुबह करीब छह बजे शोएब ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। इसका उसने अपने मोबाइल से वीडियो भी बना लिया। जिसमें उसने युवती व उसके स्वजन पर आरोप लगाए हैं। वीडियो इंटरनेट मीडिया पर अपने भाई व स्वजन को पोस्ट किया था। उपचार के लिए शोएब को अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम किया है। मामले की जांच की जा रही है।

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्षत्र के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
• प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)